THRU the BIBLE



कैसे
धर्मग्रंथ संलग्नता
का उपयोग करे



शुरू करने से पहले प्रार्थना करें

प्रत्येक पाठ को शुरू करने से पहले, प्रभु से प्रार्थना करें कि वह इसका उपयोग आपको अनुग्रह में और हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के ज्ञान में बढ़ाने के लिए करें।



बाइबल का अंश पढ़ें

जब आप अंश पढ़ें तो परमेश्वर को अपनी आँखें खोलने और उसके वचन की आपकी समझ को गहरा करने के लिए आमंत्रित करें।



पवित्रशास्त्र संलग्नता मार्गदर्शिका का अध्ययन करें

आपके द्वारा पढ़े गए अंश के अर्थ, संदर्भ और व्यक्तिगत अनुप्रयोग पर चिंतन करने के लिए प्रदान की गई पवित्रशास्त्र संलग्नता अध्ययन का अध्ययन करें।



पवित्रशास्त्र संलग्नता सवालों पर चिंतन करें

प्रत्येक शिक्षण के बाद, व्यक्तिगत चिंतन और अनुप्रयोग के लिए सूचीबद्ध पवित्रशास्त्र संलग्नता सवालों पर विचार करें और आपके छोटे समूह चर्चाओं के लिए.



डॉ. जे. वर्नोन मैकगी की शिक्षा को सुनें

यदि आप इस अंश पर संपूर्ण ऑडियो शिक्षा सुनना चाहते हैं, तो ttb.bible पर जाएं या अपनी भाषा में THRU the BIBLE ऐप डाउनलोड करने के लिए अंतिम पृष्ठ पर दिए गए QR कोड को स्कैन करें।



हमारे सुझाए गए रोकने और शुरू करने के आइकन का इस्तेमाल करें। यह आपको सामग्री को सोच-समझकर और अपनी लय में आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

आपके विचार के लिए

इस धर्मग्रंथ अध्ययन का उपयोग कैसे करें पृष्ठ 2

परमेश्वर अपने वादे की पुनः पुष्टि करता है
(उत्पत्ति 18:1-15) पृष्ठ 4

परमेश्वर ने अपना न्याय प्रकट किया
(उत्पत्ति 18:16-21) पृष्ठ 10

अब्राहम परमेश्वर के समक्ष विनती करता है
(उत्पत्ति 18:22-33) पृष्ठ 14

आशीषित जीवन

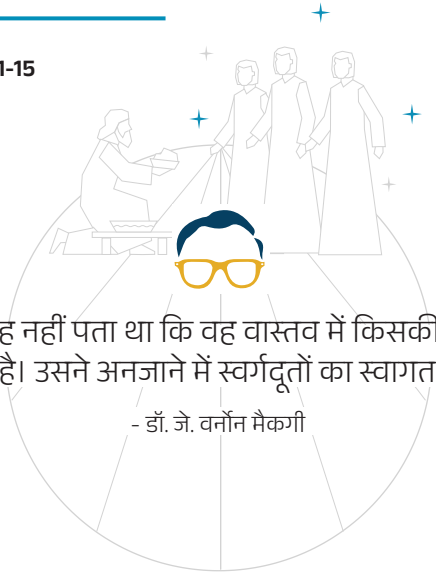
हे स्वर्गीय पिता,

जब हम आपके वचन को खोलते हैं, तो हमारे हृदयों को शांत करें और हमारी समझ को बढ़ाइए। हमारी सहायता करें कि हम इस भाग को सिर्फ पढ़ें ही नहीं, बल्कि आपके स्वभाव, आपके न्याय और आपकी दया को भी समझें। हमें सिखाइए कि आपके साथ निकटता से चलने का क्या अर्थ है, दूसरों के लिए आपके सामने खड़े होने का क्या अर्थ है, और जब न्याय और अनुग्रह साथ-साथ मिलते हैं तब आप पर भरोसा कैसे रखना है। हमारे विचारों को ऐसा आकार दें कि हम आपको सही रूप में देख सकें।

यीशु के नाम में, आमीन।

परमेश्वर अपने वायदे को फिर से दृढ़ करते है।

उत्पत्ति 18:1-15



"अब्राहम को यह नहीं पता था कि वह वास्तव में किसकी मेहमाननवाज़ी कर रहा है। उसने अनजाने में स्वर्गदूतों का स्वागत किया।"

- डॉ. जे. वर्नोन मैकगी

परमेश्वर ने अब्राहम से आखिरी बार बात किए हुए चौदह वर्ष बीत चुके थे।

अब मम्रे के तेज़ धूप में, तीन स्वर्गीय अतिथि अब्राहम के पास आए।

निन्यानवे वर्ष की उम्र और थकान के बावजूद, अब्राहम उनसे मिलने दौड़ा और झुककर उन्हें प्रणाम किया। उसने उनके लिए रोटी, मक्खन, दूध और एक कोमल बछड़े का भोजन तैयार किया और जब वे खाते रहे, वह उनके पास खड़ा रहा। अब्राहम को यह नहीं पता था कि वह स्वर्ग के दूतों की मेहमाननवाज़ी कर रहा है, और उनमें से एक स्वयं परमेश्वर थे।

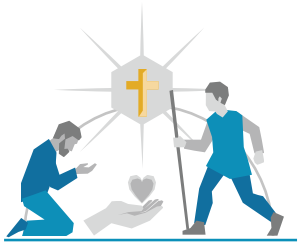


क्या आपने कभी सोचा है कि दूसरों की सेवा करना ही शायद वह तरीका हो सकता है जिससे परमेश्वर आपसे मिलते हैं?

आध्यात्मिक सत्य



परमेश्वर के साथ संगति
उम्र, ताकत या परिस्थितियों तक सीमित नहीं होती।



परमेश्वर के साथ संगति
विनम्रता, उदारता और तैयार रहने की भावना को जन्म देती है

जैसे ही भोजन समाप्त होता है, परमेश्वर पूछते हैं, "तेरी पत्नी सारा कहाँ है?" और **नयी प्रतिज्ञा** देते है।

तंबू के द्वार से सुनते हुए, सारा अपने मन में हँसती है। यह वह हँसी है जो कहती है कि यह सच होने के लिए बहुत अच्छा है। लेकिन परमेश्वर दिल की उस शांत हँसी को भी सुनते हैं और धीरे से पूछते हैं-


"क्या **यहोवा**
के लिये कोई काम
कठिन है ?"
-उत्पत्ति 18:14

सारा प्रभु के प्रश्न से घबरा जाती है और हँसने से इनकार कर देती है, लेकिन वह सच्चाई को टाल नहीं सकती।

यह सवाल सारा को क्यों घबरा देता है?

आध्यात्मिक सत्य



परमेश्वर मानव के विश्वास की कमजोरी को जानते हैं। वे हमारे **संदेह को आनंद में** और हमारे **भय को पूर्णता में** बदल देते हैं।



परमेश्वर के वायदे हमारे विश्वास पर निर्भर नहीं होते, बल्कि **केवल उनके वचन** पर आधारित होते हैं। नियत समय पर उनका वचन कभी असफल नहीं होता।



परमेश्वर के साथ संगति में **सच्चाई, विनम्रता और प्रेम के साथ सुधार** भी शामिल है।



सारा की छिपी हुई हँसी बाद में **आनंद की गवाही** बन जाती है। प्रतिज्ञा का पुत्र इसहाक कहलाएगा, जिसका अर्थ है "हँसी"।

इसके बारे में सोचे

सवाल 1

परमेश्वर के साथ संगति में रहने वाले हृदय के बारे में अब्राहम की सेवा करने की उत्सुकता क्या प्रकट करती है?

लागू करें

सवाल 2

अपनी ज़िंदगी की कुछ ऐसी परिस्थितियाँ लिखिए जो आपको असंभव लगती हैं।

अपनी लिखी हुई परिस्थितियों को पढ़िए और उन बातों को काट दीजिए जो परमेश्वर के लिए कठिन नहीं हैं।

परमेश्वर अपना न्याय प्रकट करते हैं।

उत्पत्ति 18:16-21



> परमेश्वर जो भी करते हैं, वह सही होता है, और यदि आपको लगता है कि वे सही नहीं हैं, तो समस्या परमेश्वर में नहीं, बल्कि आप में है।

जब वे अतिथि जाने के लिए उठते हैं, तो अब्राहम उनके साथ कुछ दूर तक चलता है। ऊँचे मैदान से नीचे सदोम और गमोरा के नगर दिखाई देते हैं। तब परमेश्वर अपने आप से कहते हैं-

"यह जो मैं करता हूँ उसे क्या अब्राहम से छिपा रखूँ?" उत्पत्ति 18:17

परमेश्वर यह कारण प्रकट करते हैं कि वे अपनी योजना अब्राहम के साथ क्यों साझा करना चुनते हैं?

- **अब्राहम एक महान जाति बनेगा।**
- उसके द्वारा **सभी राष्ट्र आशीषित होंगे।**
- अब्राहम का **प्रभाव पीढ़ियों तक फैला हुआ है।**
- अब्राहम **अपने घराने को धार्मिकता और अनुशासन में चलाते हैं।**
- परमेश्वर चाहते हैं कि अब्राहम उनके **चरित्र को पूरी तरह समझे।**



परमेश्वर बताते हैं कि सदोम के पाप के विरुद्ध उठी हुई पुकार बहुत बड़ी और गंभीर है। वे "नीचे जाकर देखेंगे," जिससे उनका **पूर्ण न्याय और धैर्य** प्रकट होता है। **वे कभी भी जल्दबाज़ी में न्याय नहीं करते।**



इसके बारे में सोचे

सवाल 1

परमेश्वर के न्याय को समझने से पहले उसके स्वभाव को समझना क्यों महत्वपूर्ण है?

लागू करें

सवाल 2

हमारे आसपास की दुनिया अन्याय और अधर्म से भरी हुई है। कई बार हम चाहते हैं कि परमेश्वर का क्रोध हस्तक्षेप करे। उन तरीकों को लिखिए जिनसे हम पाप के विरुद्ध खड़े हो सकते हैं और उन लोगों के लिए आवाज उठा सकते हैं जो अन्याय सह रहे हैं।

जो लागू करना है उसका चित्र बनाये

अब्राहम ने परमेश्वर के सामने मध्यस्थता की

उत्पत्ति 18:22-33

जब स्वर्गदूत सदोम की ओर चले गए, तब अब्राहम यहोवा के सामने खड़ा रहा, और एक अद्भुत बातचीत हुई। अब्राहम मध्यस्थता करता है।

"क्या तू सचमुच दुष्ट के संग धर्मी भी नाश करेगा?" उत्पत्ति 18:23

वह पचास धर्मियों से लेकर पैंतालीस, चालीस, तीस, बीस और अंत में दस तक विनती करता है। हर बार परमेश्वर सहमत होते हैं कि उन थोड़े से धर्मियों के कारण नगर को बचा लिया जाएगा।

मध्यस्थता संगति से उत्पन्न होती है। अब्राहम परमेश्वर से बहस नहीं करता; वह परमेश्वर के स्वभाव के आधार पर उनसे विनती करता है।



अब्राहम परमेश्वर के न्याय और दया का सहारा लेता है -
"क्या सारी पृथ्वी का न्यायी न्याय न करे?" उत्पत्ति 18:25

हालाँकि अब्राहम दस पर रुक जाता है, लेकिन परमेश्वर की दया उससे भी आगे बढ़ती है। वह धर्मी को दुष्ट के साथ नष्ट नहीं करेगा। जब न्याय आता है, तब वह आग गिरने से पहले लूत को वहाँ से निकाल देता है।



यह **इस सत्य की ओर संकेत करता है कि कलीसिया परमेश्वर के क्रोध का सामना नहीं करेगी**— क्योंकि हमारा दंड पहले ही मसीह पर आ चुका है।

परमेश्वर का न्याय और दया उसमें पूर्ण रूप से मिलते हैं।

इसके बारे में सोचें

सवाल 1

यह वचनांश हमें क्या सिखाता है कि परमेश्वर पाप के साथ व्यवहार करते समय कितना धैर्यवान और न्यायी है?

सवाल 2

परमेश्वर आपके मन में किसके लिए लगातार मध्यस्थता करने का भार दे रहे हैं?

जो लागू करना है उसका चित्र बनाये

सारांश

1. सदोम और गमोरा एक ऐसे संसार का चित्रण करते हैं जो न्याय के अधीन है।

2. आज दुनिया की नैतिक स्थिति सदोम के समान है, हालांकि यह मसीह के पुनः आगमन के समय को निर्धारित नहीं करती।

3. **कलीसिया परमेश्वर के क्रोध का अनुभव नहीं करेगी:**
   - मसीह ने हमारा न्याय अपने ऊपर ले लिया है।
   - परमेश्वर न्याय आने से पहले धर्मी लोगों को उठा लेगा।

4. **परमेश्वर का स्वभाव संपूर्ण शास्त्र में एक समान रहता है।**

इससे आपको क्या सीख मिली?

अपने जीवन में परमेश्वर की समझ को लागू करना।

मैक्गी का सुविचार



"दो प्रकार के विश्वासी होते हैं - एक वे जो परमेश्वर के साथ संगति में रहकर आशीषित जीवन जीते हैं, और दूसरे वे जो उसकी इच्छा से बाहर रहकर एक टूटे-बिखरे जीवन को जीते हैं। अंतर केवल इतना है कि आप कहाँ खड़े होने का चुनाव करते हैं।"

THRU the BIBLE

हमारे संसाधनों तक पहुँचें

THRU the BIBLE ऐप डाउनलोड करें और ऑडियो बाइबल शिक्षाएँ सुनें
200 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध है।

ttb.bible पर जाएँ

स्क्रिप्चर एंगेजमेंट पुस्तक में अधिक खंडों वाली हमारी इंटरैक्टिव डिजिटल फ्लिप पुस्तक खोजें हमारी वेबसाइट पर

ttbsa.org पर जाएँ